

ग्रसाबारस

### EXTRAORDINARY

भाग II--- वण्ड 3--- ज बलाव्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 249]

नई दिल्ली, यृहस्पतिवार, जुलाई 2, 1970/ज्ञाचाइ 11, 1892

No. 246 ] NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 1970/ASADHA 11, 1892

इस नाग में भिन्न पूष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रह्मण संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

#### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

#### ORDER

New Delhi, the 2nd July 1970

S.O. 2299—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 2622/18A/IDRA/69, dated the 25th June, 1969, the management of the whole of the industrial undertaking known as the Om Parasakthi Mills Limited, Coimbatore had been taken over by the Authorised Controller referred to therein for a period upto and inclusive of the 4th July, 1970;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period upto and including the 4th July, 1972;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the provise to Sub-Section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and including the 4th July, 1972.

[No.  $\mathbf{F}.7(49)/70\text{-Tex}(\mathbf{G}).$ ]

P K. SAMAL Jt. Secy.

# विवेशी व्यापार मंत्रालय

## द्यावेश

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1970

भार थार 2299 — यन भारत गरतार के श्रीद्योगिक विकास, श्रान्तरिक व्यापार हथा समवाय कार्य मत्रालय (श्राद्योगिक विकास विभाग) क प्रादेश सर कार श्रार 2622'18 ए शाईर डीर श्रार एर् 69, दिलाक 25 जून. 1969 द्वारा प्रोम पराणिक मिल्स लिर, कायम्बटूर नामक सम्पूर्ण श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध अपाक्त प्रादेश में निर्दिष्ट, प्राधिकृत नियन्वक इतन 4 जूलाई 1970 तक के लिए, जिसस पह तारीख भी गामिल है, ग्रहण कर लिया गया था,

श्रीर यत केन्द्रीय भरकार की यह राय है कि लोकहित म यह समी बीन है कि उक्त प्राधिकृत नियन्त्रक के स्रवीत उक्त प्रौद्योगिक उपक्षप्त का प्रबन्ध 4 जुलाई, 1972 तक, जिसमें यह तारीख भो भामिल है, की स्रविध क लिए श्रीर बना रहना चाहिए ,

स्रतः, स्रवः, उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18ए की उप-धारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिवतयो का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा निदेश देती है कि उपरिवर्णित श्रादेश का प्रभाव 4 जुलाई, 1972 तक, जिसमें यह नारीख भी शामिल है, की श्रवधि के लिए श्रीर बना रहेगा।

[स॰ फा॰ 7/49/70-टैक्स (जी)] पी॰ के॰ समाल, सयुक्त सचिव।